Fourteenth Loksabha

Session : 7
Date : 18-03-2006

Participants : Suman Shri Ramji Lal

an>

Title : Situation arising out of non-enactment of a law regarding the minority status of Aligarh Muslim University.

श्री रामजीलाल सुमन (फ़िरोज़ाबाद) : अध्यक्ष महोदय, अभी थोड़े दिन पहले इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने एक फैसला दिया था कि अलीगढ़ मुस्लिम यूनीवर्सिटी का चरित्र अल्पसंख्यक का नहीं है। 1887 में एएमयू के नाम से यह विश्व-विद्यालय शुरू हुआ। 1878 में जब इसके संस्थापक सर सैयद अहमद की मृत्यु हुई तो उनकी शोक सभा में फैसला किया गया कि उनकी याद को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए आवश्यक है कि यूनीवर्सिटी बनाई जाए। ब्रिटिश हुकुमत में लोग उनसे मिले लेकिन सरकार ने कहा कि हमारे पास धन नहीं है, तो स्वयं मुसलमानों ने 30 लाख रुपये इकट्ठे करके सरकार को दिए और उस समय की जनरल काउंसिल ने अलीगढ़ मुस्लिम विश वविद्यालय अधिनियम बना दिया। 1851 में इस संसद ने उस एक्ट में संशोधन किया। मेरे कहने का मतलब है कि इतिहास एक तथ्य है कि उसे मुसलमानों ने बनवाया। ...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Please do not discuss. That is not the place to discuss. Shri Ram Kripal Yadav and all the hon. Members who are there, please go outside if you have to discuss anything.

श्री रामजीलाल सुमन : इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने फैसला किया है। मुझे नहीं मालूम कि सरकार उसके ि वरुद्ध उच्चतम न्यायालय में जाएगी या नहीं। अभी हैदराबाद कौन्फ्रैंस में कांग्रेस पार्टी ने खुद संकल्प दोहराया है कि उसके अल्पसंख्यक स्वरूप को बहाल करेंगे।...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: You have raised the issue. You cannot have a long speech.

श्री रामजीलाल सुमन : अध्यक्ष महोदय, बच्चों का नया सत्र शुरू होने वाला है। सरकार क्या कर रही है? सरकार की प्रतिबद्धता है और हैदराबाद कौन्फ्रैंस में कांग्रेस ने प्रस्ताव पास किया है कि हम उसके अल्पसंख्यक स्- वरूप को बहाल करेंगे।

मैं आपके मार्फत सरकार से कहना चाहूंगा कि सत्र शुरू होने वाला है। सरकार 1981 के एक्ट में संशोधन करेगी या नया बिल लाएगी। अगर उसमें देरी हो गई तो मैं समझता हूं कि किसी भी कीमत पर न्यायसंगत नहीं होगा। सदन के नेता यहां मौजूद हैं। हम चाहेंगे कि निश्चित रूप से वे भरोसा दिलाएं कि सरकार अलीगढ़ मुस्लिम यूनीवर्सिटी...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: If it is relevant and brief, it has greater effect than if you are saying the same thing longer. The matter has already been presented very effectively. So, do not continue.

श्री रामजीलाल सुमन : सरकार का 1981 का जो एक्ट है, उसमें सरकार संशोधन करे या नया बिल लाए जिससे मुस्लिम यूनीवर्सिटी का स्वरूप अल्पसंख्यक हो सके।...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Otherwise, this hour will go. It will not continue.